हम ऐसे संसार में जी रहे हैं जहाँ नैतिकता तेजी से गिर रही है — खासकर हमारे बच्चों और युवाओं में। और अक्सर हम इसका दोष बच्चों पर डालते हैं, यह कहते हुए कि “आजकल के बच्चे बहुत बिगड़ गए हैं।” लेकिन सच्चाई यह है कि बच्चे नहीं, बल्कि माता-पिता बदल गए हैं। बच्चे तो वही हैं जैसे पहले थे।

एक बच्चे का लालन-पालन सिर्फ खाना, कपड़ा और छत देने तक सीमित नहीं है। वह कोई बिल्ली नहीं है जिसे बस खाना और सोने की जगह चाहिए हो — जिसे आप एक साल तक भी यूँ ही छोड़ दें तो कोई फ़र्क़ नहीं पड़ेगा।

एक इंसान को ‘पाला’ नहीं जाता — उसे ‘पाला-पोसा’ और ‘सिखाया’ जाता है। और यही बात कई माता-पिता नहीं समझते।

एक बच्चा जीवन में सफल हो सके इसके लिए, उसे ज्ञान, अनुशासन, न्याय-बुद्धि, समझदारी, प्रेम, आज्ञाकारिता और विवेक सिखाना पड़ता है। ये सब चीज़ें उसके साथ जन्म से नहीं आतीं — उसे सिखानी पड़ती हैं।

यदि माता-पिता उसकी सही परवरिश नहीं करेंगे, तो शैतान उस खाली जगह का उपयोग करके उसे अपनी ‘शिक्षा’ देना शुरू कर देगा।

इसलिए माता-पिता के रूप में हमारा ज़िम्मा केवल खाना, कपड़े और स्कूल तक सीमित नहीं है — ये तो 1000 में से सिर्फ़ 3 चीजें हैं।

अगर आपने इससे पहले बच्चों की परवरिश पर हमारे संदेश नहीं पढ़े हैं, तो आप हमें इस नंबर पर मैसेज भेज सकते हैं: +255693036618, या हमारी वेबसाइट पर जाएँ: www.wingulamashahidi.org
हम आपको पिछले सभी लेख भेज देंगे।

आज हम बच्चों की परवरिश की एक और ज़रूरी विधि को देखेंगे — और वो है: ‘छड़ी का इस्तेमाल’।

शायद यह शब्द कुछ माता-पिताओं को अच्छा न लगे, लेकिन जैसे कड़वी दवा रोग ठीक करती है, वैसे ही अनुशासन की छड़ी बच्चे के जीवन को दिशा देती है।

लेकिन क्यों छड़ी (सजा) का इस्तेमाल करना ज़रूरी है?

इसके दो प्रमुख कारण हैं:

1. क्योंकि मूर्खता बच्चे के दिल से चिपकी होती है।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

अपने बच्चे को अनुशासित करने से न डरें

बाइबल कहती है :

□ नीतिवचन 22:15
“मूढ़ता बालक के मन में बंधी रहती है, परन्तु अनुशासन की छड़ी उसको दूर कर देती है।”

यानी, हर बच्चा मूर्खता के साथ बड़ा होता है — वह समझदार नहीं होता।
अगर वह कोई अनुचित चीज़ माँगता है और आप केवल इसलिए उसे दे देते हैं क्योंकि वह रो रहा है — तो यह आपकी गलती है, उसकी नहीं।

यदि बच्चा गाली देता है, आज्ञा नहीं मानता, या बार-बार चेतावनी देने पर भी बड़ों का आदर नहीं करता — तो छड़ी का प्रयोग आवश्यक है।

बाइबल में स्पष्ट लिखा है :

□ नीतिवचन 23:13-14
“बालक को ताड़ना देने से न हिचकिचा; यदि तू उसको छड़ी से मारे, तो वह न मरेगा। तू उसे छड़ी से मारेगा और उसका प्राण अधोलोक से बचा लेगा।”

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

□□ □□□□□□ □□□ □□□ □□ □□□ □□□□ □□ — □□□□□□□ □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□

---

2. □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□

□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□, □□ □□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□ □□ — □□□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□

□ □□□□□□□□□□ 12:6-7
“□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□, □□□□ □□□□□□ □□□□ □□, □□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□, □□□□ □□ □□ □□□ □□□ □□□ □□□□ □□□ □□□ □□□ □□□□□□ □□□□ □□, □□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□□□ □□; □□□□□□□ □□□ □□□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□?”

□□ □□□□□, □□□ □□□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□ □□□□, □□ □□ □□□□ □□□□? □□ □□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□ □□□ □□□□, □□ □□□□□□□□ □□ □□□ □□□□ □□□□ □□□□ □□ — □□□□ □□ □□□□ □□□ □□ □□□□□□□□ □□□□

□□□□□ □□□□ □□□□□ □□:

□ □□□□□□ 5:48
“□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□”

□□ □□□□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□□, □□ □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□

□□ □□□□□□ □□□□□-□□□□□, □□ □□ □□ □□□□□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□

□□□□□□ □□□□□□ □□□□□ — □□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□!

□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□:

- □□□□ □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□,
- □□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□,
- □□ □□□□ □□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□

□□ □□□□□□ □□□□□□□ □□ — □□□□□ □□ □□□□□□□□□□□ □ □□□□□□

प्रभु आपको आशीष दे।

शालोम!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp